प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन

28 मार्च 2025

प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पी. सी. अभिलाष, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का अभिनन्दन करते हुए उद्‌बोधन प्रस्तुत किया गया। उन्होने कहा कि प्रो. मिश्रा के भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में किए गए अमूल्य योगदान को भुलाया नही जा सकता। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. अभिलाष ने बदलते पर्यावरण में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के मध्य खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हमारे आस–पास अनेक वनस्पतियां हैं, जिनको कृषि तंत्र में सम्मिलित करना होगा। व्याख्यानमाला श्रृंखला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा वैज्ञानिक–विद्यार्थी संवाद स्थापित किया गया। व्याख्यानमाला के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त आयोजित कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (मध्य क्षेत्र) प्रयागराज के अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी यथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार तथा अम्बुज कुमार तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं शोध छात्र आदि ने प्रतिभागिता किया।

Prof. R MISRA MEMORIAL LECTURE
SANJAY SINGH
P C ABHILASH
ALOK YADAV
28 March 2025

28 March 2025

Prof. R MISRA MEMORIAL LECTURE
Dr. P. C. Abhilash
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
28 March 2025

Prof. R MISRA MEMORIAL LECTURE
Dr. P. C. Abhilash
Associate Professor,
Institute of Environment and Sustainable Development
Banaras Hindu University, Varanasi
Date : 28 March, 2025 Time : 03:00pm
Venue : Saraswati Hall, ICFRE-ERC, Prayagraj
ICFRE -ECO REHABILITATION CENTRE
3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj - 211002
Welcome

प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन

प्रयागराज । पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पी. सी. अभिलाष, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का अभिनन्दन करते हुए उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रो. मिश्रा के भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में किए गए अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

वनस्पतियों को कृषि तंत्र में शामिल करने की जरूरत

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से शुक्रवार को प्रो. रामदेव मिश्र मेमोरियल व्याख्यानमाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान बीएचयू के प्रो. पीसी अभिलाष ने बदलते पर्यावरण में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के बीच खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हमारे आसपास अनेक वनस्पतियां मौजूद हैं, जिसे कृषि तंत्र में शामिल किया जाना चाहिए। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि देश में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. रामदेव मिश्र के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, डॉ. अनीता तोमर, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी. शुक्ल, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार व शोधार्थी मौजूद रहे।

प्रो.आर.मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पी. सी. अभिलाष, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का अभिनन्दन करते हुए उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रो. मिश्रा के भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में किए गए अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. अभिलाष ने बदलते पर्यावरण में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के मध्य खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हमारे आस-पास अनेक वनस्पतियाँ हैं, जिनको कृषि तंत्र में सम्मिलित करना होगा। व्याख्यानमाला श्रृंखला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा वैज्ञानिक-विद्यार्थी संवाद स्थापित किया गया।व्याख्यानमाला के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी यथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार तथा अम्बूज कुमार के साथ विभिनन्-शोध छात्र एवं 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

प्रो.आर.मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रो. रामदेव मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला का शुभारम्भ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक प्रो. रामदेव मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. पी. सी. अभिलाष, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का अभिनन्दन करते हुए उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रो. मिश्रा के भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में किए गए अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए प्रो. आर. मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. अभिलाष ने बदलते पर्यावरण में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के मध्य खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हमारे आस-पास अनेक वनस्पतियाँ हैं, जिनको कृषि तंत्र में सम्मिलित करना होगा। व्याख्यानमाला श्रृंखला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा वैज्ञानिक-विद्यार्थी संवाद स्थापित किया गया।व्याख्यानमाला के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी यथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार तथा अम्बूज कुमार के साथ विभिनन्-शोध छात्र एवं 50 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।